(iv) Brain Storming Strategy :— [मस्तिष्क विप्लव या हलचल व्यूह रचना] :

Brain Storming का अर्थ शिक्षण में उन साधनों एवं सामग्री के प्रयोग से होता है, जो छात्रों के मस्तिष्क में ज्ञान प्राप्ति के लिए हलचल पैदा करते है। जैसे— वाद-विवाद, तर्क-वितर्क तथा विचार-विमर्श आदि शिक्षण साधनों का प्रयोग करना। व्यूह रचना के रूप में इसे प्रतिपादित करने का श्रेय A.F. Osborn को जाता है, जिन्होंने अपनी रचना Applied Imagination (1963) में इसे सबके सामने रखा।

Osborn के अनुसार, "इस व्यूह रचना का उपयोग किसी परिस्थिति विशेष अथवा समस्या समाधान के संदर्भ में समूह के सदस्यों के विचार जानने के लिए इस प्रकार किया जाता है कि उन्हें बिना रोक-टोक के जो भी विचार अथवा समाधान उनके मस्तिष्क में उपस्थित हो उसे व्यक्त करने की पूरी स्वतंत्रता तथा अवसर प्रदान किये जायें।

Structure :— यह एक समस्या केन्द्रित विधि है जो इस धारणा पर आधारित है कि एक व्यक्ति की अपेक्षा व्यक्तियों का समूह अधिक विचार दे सकता है। इसमें छात्रों के सम्मुख एक समस्या दे दी जाती है तथा उनसे कहा जाता है कि जो भी विचार उनके मस्तिष्क में आये उन्हें प्रस्तुत करें। जिससे छात्रों के मस्तिष्क में एक हलचल उत्पन्न हो जाती है तथा वह अपने विचार व्यक्त करते है। इस प्रकार विचारों एवं सुझावों का विश्लेषण, संश्लेषण तथा मूल्यांकन किया जाता है। जिससे छात्रों को स्थायी ज्ञान प्राप्त होता है।

गुण :— 1. छात्रों में चिंतन, विचार-विमर्श तथा तर्क-वितर्क करने की क्षमताओं का विकास होता है।

2. उच्च कक्षाओं के लिए विशेष उपयोगी है।

3. छात्रों के समूह में व्यवहार करना तथा एक-दूसरे की भावनाओं का

A Quality Product from Chitra

आदर करना चाहिए आदि गुणों का विकास होता है। (vi)

4. यह व्यूह रचना शिक्षक तथा छात्रों के मध्य अन्तःक्रिया पर विशेष बल देती है। 3. 4.

दोष:- 1. सभी छात्र तर्क-वितर्क तथा वाद-विवाद में सहयोग नहीं दे पाते हैं।

2. इस विधि का प्रयोग करते समय यह आवश्यक नहीं है कि समूह किसी उचित निष्कर्ष पर पहुँचे। इस स्थिती में — 2.

a. समय तथा शक्ति का अपव्यय होता है

b. समस्या उलझ जाती है। 3.

(V) Assignment Strategy :- यह एक महत्वपूर्ण व्यूह रचना मानी जाती है। जिसके [दत्त कार्य/गृह कार्य] द्वारा विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से कार्य करने एवं सीखने के अवसर प्रदान किये जाते है। गृह कार्य का उद्देश्य विद्यार्थियों में विषय सम्बन्धी कौशल में वृद्धि करना है। 2. 3.

"गृह कार्य शिक्षण की क्रिया में वह समय है जब अध्यापक छात्रों की क्रियाओं की योजना अध्ययन की तैयारी के लिए बनाता है" (vi)

— Prof G.M. Yoakam

Structure:- इस व्यूह रचना में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को छोटे-2 खण्डों में विभक्त कर दिया जाता है, जिन्हें छात्र एक निश्चित समय में पूरा करने का प्रयास करता है ऐसे प्रत्येक खण्ड को दत्त कार्य कहते है। प्रत्येक दत्त कार्य में किसी एक प्रकरण का समावेश होता है। जिसकी सहायता के लिए उचित मार्गदर्शन का अध्यापन द्वारा प्रयास किया जाता है। व्यूह रचना में अध्यापक छात्रों की कार्य प्रगति का लेखा जोखा एक प्रगति चार्ट के रूप में रखता है। जिसके आधार पर अध्यापक छात्रों के मानसिक स्तर को जानने में सक्षम होता है।

गुण:- 1. अध्यापक प्रत्येक छात्र पर ध्यान दे सकता है।

2. छात्रों में स्वअध्याय एवं पालविश्वास की भावनाओं का

A Quality Product from Chitra

विकास होता है।

3. छात्रों में चिंतन तथा कल्पना शक्ति का विकास होता है।

4. इस व्यूह रचना में प्रगति चार्ट के माध्यम से छात्र की प्रगति का सही-सही मूल्यांकन करना सम्भव है।

दोष:-1. इस व्यूह रचना पर आधारित अच्छी पाठ्य पुस्तकों का अभाव रहता है।

2. व्यापक पाठ्यक्रम को इस व्यूह रचना द्वारा कम समय में पूर्ण नहीं किया जा सकता।

3. यह व्यूह रचना छात्रों में नकल करने की प्रवृत्तियों का विकास करती है।

सुझाव:-1. गृहकार्य निर्धारित करने के लिए छात्रों का सहयोग लिया जाना चाहिए।

2. शिक्षकों को छात्रों की आवश्यकताओं एवं रुचियों को ध्यान में रखना चाहिए।

3. शिक्षक को चाहिए कि वह अत्यधिक कठिन कार्य छात्रों को न दें।

(vi) Role-Playing Strategy:- यह एक अभिनयात्मक विधि [भूमिका-निर्वाह व्यूह रचना] है, जिसका सम्बन्ध विद्यार्थियों में ज्ञानात्मक एवं सामाजिक कौशल विकसित करने से है। इस व्यूह रचना द्वारा छात्रों की रुचि तथा अभिवृत्ति में परिवर्तन लाया जा सकता है। अतः कक्षा-शिक्षण में भूमिका निर्वाह विधि का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक जीवन में अनुभव कराना होता है, जिनके माध्यम से उनमें अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन करके शैक्षणिक उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सके।

Structure:- यह एक नाटकीय विधि मानी जाती है। छात्राध्यापकों को इसके अभ्यास में शिक्षक एवं छात्र दोनों की भूमिका निभानी पड़ती है। छात्राध्यापक को छोटे-छोटे प्रकरणों को अपने साथियों को भी पढ़ाना पड़ता है तथा अन्य सभी छात्रों की भूमिका निभाते हैं। छात्राध्यापक के शिक्षण कार्य की समीक्षा की जाती है।

A Quality Product from Chitra